प्रेस विज्ञप्ति

ओम्‌शान्ति रिट्रीट सेन्टर, बिलासपुर चौक, गुड़गॉवः 19 जून, 2008

''जो लोग दुनियां में धर्म के नाम पर अशान्ति फैला रहे हैं, उल्टे कार्य कर रहे हैं उससे अधिक अधार्मिक व्यक्ति कोई और नहीं। धर्म जोड़ने का कार्य करता है, हमारी रक्षा करता है, सबको एक मत पर लाता है। आज धर्म युद्ध नहीं अपितु स्वार्थ युद्ध हो रहा है।''

उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ ओम्‌शान्ति रिट्रीट सेन्टर में श्रीप्रकाश जायसवाल, केन्द्रिय गृह राज्य मंत्री जी ने 'परमात्म शक्ति की अनुभूति' के शुभारम्भ कार्यकम में दीप प्रज्जवलित करने के बाद व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि मैं ब्रह्माकुमारीज़ के माउन्ट आबू मुख्यालय से देश को चलाने की, जिम्मेवारी को निभाने की उर्जा प्राप्त करके आया था। वह शक्ति धीरे-2 समाप्त होती जा रही है। आज दादी जी से पुनः शक्ति प्राप्त कर देश की देखभाल करने की कोशिश करूँगा। धर्म ईश्वरीय शक्ति है उसे कोई नष्ट नहीं कर सकता। स्वार्थ के कारण आज लोग संकट में हैं। उसका समाधान भी हमें खुद ही करना होगा।

उन्होंने पुनः कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था पूरी शक्ति से, इमानदारी से देश का उद्धार करने के लिए कार्य कर रही है। परमात्म शक्ति की अनुभूति करने के लिए आज यहॉ जो 5-6 हजार लोग आए हैं इनका तो उद्धार हो ही गया। आगे चल लाखों की संख्या में लोग आयेंगे और यह स्थान भी छोटा पड़ जाएगा ऐसा मुझे अनुभव हो रहा है। मुझे यह स्थान भी माउन्ट आबू की तरह लग रहा है।

ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी ह्रदय मोहिनी जी ने अपने आर्शीवचन में कहा कि यदि आत्मा ओमशान्ति का महत्व समझ जाए तो मैं गारन्टी के साथ कह सकती हूॅ कि जीवन में कभी भी दुःख की लहर आ नहीं सकती और दुःख से निवृत्त हो जायेंगे। सांइस की शक्ति जो नहीं कर सकती वह परमात्म शक्ति कर सकती है। परमात्म शक्ति मन की शीतलता का अनुभव करा सकती है परन्तु सांइस की मात्र चन्द्रमा की शीतलता का अनुभव करा सकती है। आज लोग मैं और मेरे का अंतर नहीं कर पाते हैं। कहते हैं मन मेरा है पर भूल जाते हैं कि अ इसका मालिक मैं आत्मा हूॅ। मन की राजा हूॅ, शरीर को चलाने वाली चेतन्य शक्ति हूॅ। परमात्मा से हमें राजयोग मेडिटेशन द्वारा मन को कन्ट्रोल और रूल करने की शक्ति प्राप्त होती है। शिवबाबा ने हमें बेफिक बादशाह, स्वराज्य अधिकारी बना दिया है। परमात्म से हमें निमित व निर्मान रहने व निर्मल वाणी बनाने की शक्ति प्राप्त हो रही है। हमने परिवार नहीं छोड़ा है अपितु यह 9 लाख से भी अधिक का परिवार अपना लिया है।

महामण्डलेश्वर महाशक्ति पीठ, दिल्ली के अध्यक्ष स्वामी सर्वानन्द सरस्वती जी ने अपने उदगार में कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ इस धरती पर बहती हुई ज्ञान गंगायें हैं जो लोगों को पावन बना रही हैं। श्रद्धा व समर्पण से ही सच्ची सुख व शान्ति प्राप्त होती है। यदि कोई आत्मा सच्चे मन से यह शिवबाबा की ज्ञान मुरली ब्रह्माकुमारियों से सुन ले तो जीवन सुखी हो जाएगा।

दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव भ्राता राकेश मेहता जी ने कहा कि हम लौकिक जीवन में स्वचिन्तन कर व स्वपरिवर्तन कर विश्व परिवर्तन कर सकते हैं। दादी जी के सम्पर्क में आने से परमात्म शक्ति पाप्त हुई है और मेरा जीवन ही बदल गया है।

सादर प्रकाशनार्थ,

निदेशिका,
ओ.आर.सी.

कृपया फोटो ईमेल से प्राप्त करें।

फोटो केप्शनः

1. *ब्रह्माकुमारीज़ ओम्‌शान्ति रिट्रीट सेन्टर में श्रीप्रकाश जायसवाल, केन्द्रिय गृह राज्य मंत्री जी ने 'परमात्म शक्ति की अनुभूति' के शुभारम्भ कार्यकम में अपने उदगार प्रकट करते हुए।*
2. *ब्रह्माकुमारीज़ ओम्‌शान्ति रिट्रीट सेन्टर में 'परमात्म शक्ति की अनुभूति'के शुभारम्भ कार्यकम में दीप प्रज्जवलित करते हुए श्रीप्रकाश जायसवाल जी, दादी ह्रदय मोहिनी जी, भ्राता राकेश मेहता जी, स्वामी सर्वानन्द सरस्वती जी, भ्राता बृजमोहन जी।*
3. *श्रीप्रकाश जायसवाल जी को दादी ह्रदय मोहिनी जी ईश्वरीय सौगात देते हुए।*